[Dr. Santanu Sen]

Though, Department sanctions huge fund for this National Institution, there is hardly proper utilization of the said fund. Patients do not get proper and satisfactory treatment there.

So, the above-mentioned points should be taken care of. Thank you very much, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Ram Shakal.

Demand to call off the decision of closing down the Research Dissemination Center of Central Silk Board at Sonbhadra, Uttar Pradesh

श्री राम शकल (नाम निर्देशित) : माननीय उपसभापति महोदय, जनपद-सोनभद्र में केन्द्रीय रेशम बोर्ड की तसर अनुसंधान प्रसार केन्द्र की इकाई राबर्ट्सगंज में स्थापित है। उक्त इकाई को केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा बंद किए जाने का निर्णय लिया गया है। जनपद, सोनभद्र में उत्तर प्रदेश सरकार के रेशम विकास विभाग द्वारा 23 रेशम फार्म स्थापित हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 1200 एकड़ है, इसके अतिरिक्त जंगल क्षेत्र में भी लगभग 500 एकड़ में जहां अर्जुन/आसन के पेड़ बहुतायत में हैं, उनमें विभाग द्वारा कीटपालन का कार्य कराया जा रहा है, जिसमें 800-1000 परिवार जो आदिवासी एवं अनुसूचित जाति/जनजाति के हैं, जिनके जीविकोपार्जन का मुख्य स्रोत कोया उत्पादन से प्राप्त आय ही है। साथ ही जनपद में विभागीय एवं व्यक्तिगत क्षेत्र में 15 बीजागार भी नियमित रूप से संचालित हैं जिनसे कीटाण्ड उत्पादन के उत्पादन के समय नियमित परीक्षण एवं कीटपालन के समय नियमित भ्रमण बीमारियों के बचाव की जानकारी देने हेतु अनुसंधान प्रसार केन्द्र के वैज्ञानिक उपरोक्त कार्यों में अपना सराहनीय योगदान देते आ रहे हैं, जनपद में 4 महिला समूहों द्वारा नियमित धागाकरण का कार्य भी कराया जा रहा है जिसे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। जनपद-सोनभद्र नीति आयोग द्वारा आकांक्षा (एस्पिरेशनल) जनपद घोषित है ऐसे में इस विभाग के कार्यों को और अधिक बढ़ाए जाने की आवश्यकता होगी। ध

अत: माननीय महोदय, मैं आपके माध्यम से वस्त्र मंत्री जी से मांग करता हूं कि जनपद-सोनभद्र (राबर्ट्सगंज) में केन्द्रीय रेशम बोर्ड की संचालित इकाई अनुसंधान प्रसार केन्द्र को यथावत कार्य करते रहने की अस्वीकृति देने की कृपा करें।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shrimati Sarojini Hembram.

Demand to establish new rake points and develop proper infrastructure in existing ones in Odisha

SHRIMATI SAROJINI HEMBRAM (Odisha): Sir, I would like to raise a very important issue pertaining to the farmers of Odisha and their agri products. The supply

of fertilizers to various parts in our State is hampered due to very less number of rake points. To ensure smooth supply of fertilizers to various places in the State, we need to have sufficient number of rake points. The State is also facing operational difficulties in the existing rake points due to non-availability of required infrastructure at existing rake points. In 16 districts of Odisha, 19 rake points are not having necessary infrastructure facilities. In my district Mayurbhanj, Rairangpur rake point ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Sarojiniji, please read only the approved text, the text which you have been given.

SHRIMATI SAROJINI HEMBRAM: In Rairangpur and Baripada of my district Mayurbhanj, there is no platform and no cover shed in the rake points. In Baripada, which...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You please lay it because there is deviation from the approved text. You have to read only the approved text.

SHRIMATI SAROJINI HEMBRAM: Farmers face difficulties of transportation of their product. Because of extra transportation charges, the value of their products increases. Hence, modernization of existing rake points is very much essential. Hence I urge upon the Government to facilitate the fertilizer rake points with necessary infrastructure like platform, covered shed, electricity, drinking water facility and approach road. I also urge upon the Government to open more number of new rake points and develop infrastructure in the existing ones for smooth supply of agri products in the State.

SHRI SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You should get your approved copy, that will help. Now, Shri Rakesh Sinha.

Demand to develop Kanwar lake of Begusarai as an attractive tourist spot

श्री राकेश सिन्हा (नाम निर्देशित) : महोदय, कांवर झील एशिया की सबसे बड़ी झील है, जो लगभग 20 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। इसका पानी मीठा होता था। इसका एक वैशिष्ट्य गौरतलब है। इसमें साइबेरिया के लाखों पक्षी आते रहे हैं। यह इस झील को एक आकर्षक पर्यटक स्थल बना देता है। हजारों पर्यटक असुविधाओं के बावजूद यहां आते रहे हैं। यह झील बिहार के बेगूसराय जिले में मंझोल में स्थित है। दशकों से यह झील उपेक्षित रही है। स्थानीय लोगों एवं NGOs के प्रयास के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया गया है। यहां तक कि जिला प्रशासन